सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 92 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 6 मई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

तेरी हजारों आंखें हैं और फिर भी एक आंख भी नहीं, तेरे हजारों रूप हैं फिर भी एक रूप भी नहीं।

- गुरु नानक देव

लगातार 7वीं जीत की तलाश में... 7 | पानी रे पानी तेरा रंग कैसा...लग... 3 | भाजपा राज में महाअन्याय का... 2

4PM को जनसमर्थन

संजय शर्मा की दमदार वापसी

चार दिनों में एक लाख से ज्यादा लोगों ने सब्सक्राइब किया

» लोगों की जुबान पर चढ़ा 4पीएम यूपी
» सुप्रीम कोर्ट में चल रही है सुनवाई
» बिना नोटिस के सरकार ने बंद कर दिया था 4पीएम नेशनल यूट्यूब चैनल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जनता की आवाज और जज्बात बन चुके एडिटर संजश शर्मा ने 4पीएम यूपी यूट्यूब चैनल के जरिये शानदार वापसी की है। 4पीएम यूपी यूट्यूब चैनल पर महज चार दिनों में एक लाख सब्सक्राइबर का आंकड़ा पार हो जाना इस बात की तस्दीक करता है कि जनता के हक़ में आवाज बुलंद करने वाले संजय शर्मा की आवाज को बंद नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि लाखों सब्सक्राइर और फालोवर वाले 4पीएम नेशनल यूट्यूब चैनल को बिना नोटिस के बदं कर दिया गया था। सरकार समझ रही थी कि वह चैनल को बंद कर आवाज को दबा देगी। लेकिन लेकिन जितनी तेज़ सरकारी चाबुक थी उतनी ही मज़बूत निकली जनता की आवाज़ और यही आवाज़ अब इस लड़ाई को एक नई दिशा दे रही है। 4पीएम की अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट में एक दौर की सुनवाई सोमवार को पूरी हो चुकी है। कोर्ट ने सरकार और यूट्यूब को इस संदर्भ में अपना जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का समय दिया है।

चार दिन, एक लाख सब्सक्राइबर

4पीएम यूपी को महज चार दिनों में एक लाख से ज्यादा लोगों ने सब्सक्राइब किया। यह आंकड़ा सिर्फ सब्सक्रिप्शन का नहीं है बल्कि विश्वास का प्रतीक है। एक ऐसे समय में जब मीडिया के बड़े हिस्से सरकार की भाषा बोलते हैं तब एडीटर संजय शर्मा की सच्ची बातों ने लोगों के दिलों में जगह बनाई है। संजय शर्मा के मुताबिक यह केवल मेरा नहीं बल्कि जनता के अधिकारों का मामला है। अगर आज सरकार मुझे चुप करा सकती है, तो कल किसी को भी। संजय शर्मा ने यह बात अपने पहले वीडियो में कही थी। उनका यह वीडियो वायरल हुआ और लाखों लोगों ने सोशल मीडिया पर पास्टेड विद4पीएम हैशटैग के साथ उनका समर्थन किया और लाखों लोगों ने उनको सुनने के लिए 4पीएम यूपी चैनल को सब्सक्राइक किया। यह आंकड़ा तेजी से आगे बढ़ रहा है और उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में हम वहीं पहुंच जाएंगे जहां थे।

इस लड़ाई में अकेले नहीं है हम

इस पूरी लड़ाई में 4पीएम कभी भी अकेला नहीं रहा। जनता, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया, एडिटर्स गिल्ड और वरिष्ठ पत्रकारों का इसे हमेशा साथ मिला। इस पूरे प्रकरण के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर 4पीएम के समर्थन में आम लोगों से लेकर पत्रकार, लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता तक उतर आए। कई नामी पत्रकारों ने खुलकर इस मामले को मीडिया की स्वतंत्रता का टेस्ट केस बताया। वरिष्ठ पत्रकार रवीश कुमार ने लिखा कि अगर 4पीएम की आवाज़ को यूं दबाया गया तो अगला नम्बर किसका होगा?। आल्ट न्यूज़ और द वायर जैसे मीडिया प्लेटफार्म ने भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। एक समय था जब मीडिया सत्ता को आइना दिखाता था अब वही सत्ता उसे चुप कराना चाहती है। लेकिन यह प्रकरण बताता है कि जनता की चेतना अब सिर्फ अख़बारों पर नहीं बल्कि डिजिटल स्क्रीन पर भी पल रही है और वह जानती है कि किसकी आवाज असली है और किसकी नकली।

> तू सोच रहा था, खत्म हुआ मैं,
> तेरे फरमान से डर गया मैं।
> पर तू भूल गया, मेरे पीछे हैं लोग,
> अब तू देख फिर उठ खड़ा हुआ मैं।

सच्ची पत्रकारिता को दबाया जा सकता है मिटाया नहीं जा सकता

पत्रकारिता पर हमले का नया तरीका?

वर्तमान राजनीतिक वातावरण में स्वतंत्र और आलोचनात्मक पत्रकारिता करने वाले डिजिटल चैनलों पर कार्रवाई बढ़ती जा रही है। यह न तो पहला मामला है और न ही अंतिम। सोशल मीडिया एक्सपर्ट की मांग है कि इस दिशा में मुकम्मल तौर पर कोर्ट सरकार को ऐसी गाइडलाइसं दे जिससे कि फिर सरकार किसी चैनल का गला न घोट सके। इस घटना के बाद लोगों में आक्रोश सीधे तौर पर देखा गया। शायद यह कारण है कि क्रिया की प्रतिक्रया वाले फार्मूले के तहत दोगुने बल के साथ लोगों का समुंदर 4पीएम से जुड़ा और लगातार जुड़ रहा है। जनता ने जिस तरह से संजय शर्मा और उनके नए चैनल को समर्थन दिया है वह इस बात का प्रमाण है कि सच्ची पत्रकारिता को दबाया जा सकता है मिटाया नहीं जा सकता। संजय शर्मा का संघर्ष और 4पीएम की वापसी लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखने वाले उन प्रयासों में से है जो न केवल प्रेरणा हैं, बल्कि प्रेस के भविष्य के लिए एक सबक भी।

तत्काल सुधारों की मांग कर रहे हैं लोग

उधर पूरे देश से 4 पीएम के पक्ष में माहौल उसी दिन से बनले लगा था जब इस पर बैन लगा था। सभी ने सरकार से ब्लॉकिंग आदेश को वापस लेने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि इस तरह के निर्णय कभी भी राजनीतिक दबाव या मनमाने मानकों से प्रेरित न हों, बयान में कहा गया। प्रेस की स्वतंत्रता पर चिंताएं बढ़ने के साथ ही इस घटना ने डिजिटल मीडिया पर सरकारी नियंत्रण की सीमा पर बहस को फिर से हवा दे दी है। अधिवक्ता अब पत्रकारिता की स्वतंत्रता की स्थिा और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को बनाए रखने के लिए तत्काल सुधारों की मांग कर रहे है।

भाजपा राज में महाअन्याय का दौर चल रहा : अखिलेश

» पीडीए वर्ग का लगातार शोषण कर रही है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा प्रमुखअखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार पीडीए वर्ग का लगातार शोषण कर रही है, उनके आरक्षण और हक को छीना जा रहा है, और उन्हें बार-बार अपमानित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज में अन्याय और अत्याचार चरम पर है, गरीबों को न्याय नहीं मिल रहा है, और अपराधी सत्ता के संरक्षण में खुलेआम वारदात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में महाअन्याय का दौर चल रहा है, जाति के आधार पर टारगेट कर हत्या करवाई जा रही है। वहीं कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बड़ा राजनीतिक दावा किया। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की सरकार बनना तय है। उन्होंने कहा कि अगली सरकार सामाजिक न्याय और विकास की दिशा में काम करेगी और सभी को न्याय और सम्मान मिलेगा।

राज्य की बागडोर अपराधियों के हाथ में है

सपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री यह स्वीकार क्यों नहीं करते कि अब राज्य की बागडोर अपराधियों के हाथ में है? उन्होंने सपा कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि उनकी सरकार में विश्वस्तरीय विकास कार्य हुए।

भाजपा का मुखौटा नारियां ही उतारेंगी

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी को सोशल मीडिया साइट्स पर ट्रोल किए जाने के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। अखिलेश ने एक चिट्ठी लिखी। इसमें उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और महिला आयोग पर भी निशाना साधा। उन्होंने लिखा- देश की हर स्त्री के नाम भाजपा का मुखौटा नारियां ही उतारेंगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लिखा- आज़ादी से पहले ही भाजपा के पूर्व रूप का 'चाल, चरित्र और चेहरा' ऐसा न था कि वो सामने आकर मुँह दिखा सके क्योंकि वो ऐसे काम, वारदात और साजिश-षड्यंत्र करते थे जो देशभक्ति, नैतिकता और सामाजिकता के पैमाने पर नकारात्मक और अपराधात्मक माने जाने थे। अखिलेश ने लिखा- इसीलिए इनकी गतिविधियाँ हमेशा भूमिगत रहकर मुखबिरी के रूप में ही दबे-छिपे चलती रहीं। इसीलिए भाजपा ने कई बार रूप बदला, जिससे ये पहचाने न जा सकें। यही परंपरा आज भी जारी है, जब इनके समर्थक पीठ पीछे से कई अनाम-नाम रखकर अपनी भूमिगत नकारात्मक भूमिका निभाते हैं और उनका विरोध करते हैं, जो इनकी सत्ता के लिए ख़तरा हैं।

'नारी वंदना' का ढोंग रचती है बीजेपी

पूर्व सीएम ने लिखा- 'नारी वंदना' का ढोंग रचनेवाली भाजपाई सोच वस्तुतः नारी विरोधी है. जिन्होंने अपनों को खोया है, असीम दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े होने का समय है, जो साहस दिखा रही हैं ऐसी महिलाओं के समर्थन में खुलकर सामने आने का समय है, भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों की 'नारी विरोधी' सोच और संकीर्ण विचारधारा को उजागर करने का वक्त आ गया है. आज देश की हर बालिका, युवती का यही ऐलान है कि हम भाजपा का महिला विरोधी चेहरा सबके सामने लाएंगे. सच्चाई तो ये है कि जो नारी के मान, गरिमा व प्रतिष्ठा का सम्मान नहीं करता है वो और उसका व्यवहार न तो 'भारतीय' हो सकता है, न ही 'मानवीय'. भाजपा को अपने नाम में 'भारतीय' लगाने का नैतिक अधिकार भी नहीं है।

मतदाता सूची का सत्यापन कराएगी सपा

सपा मतदाता सूची के नामों का सत्यापन कराएगी। प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने इस बाबत सभी जिलाध्यक्षों , महानगर अध्यक्षों और वर्तमान एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों को पत्र भेजा है। जिसमें उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा केंद्रीय निर्वाचन आयोग को भेजे गए पत्र का हवाला दिया है, जिसके आधार पर आयोग ने मतदाता सूची में जोड़े एवं काटे गए नामों, संशोधनों, कागजातों का निरीक्षण और उनकी प्रमाणित प्रति हासिल करने का आदेश दिया है। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों निर्देश दिया है कि वह अपनी विधानसभा की मतदाता सूची में दर्ज एक-एक नाम का सत्यापन करवा लें, यदि गलत नाम दर्ज हो गया है अथवा गलत तरीके से नाम काट दिया गया है, तो निरीक्षण के बाद प्रमाणित प्रतिलिपि हासिल कर मंडलायुक्त और डीएम से लिखित शिकायत करें। इसकी प्रति पार्टी कार्यालय को भी उपलब्ध कराएं।

गोबरनामा भाजपा सरकार का नया कारनामा

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सरकारी इमारतों के लिए गाय के गोबर से बने पेंट के इस्तेमाल की वकालत करने के लिए निशाना साधा। यादव ने हिंदी में एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गोबरनामा भाजपा सरकार का नया कारनामा। पूर्व मुख्यमंत्री ने आदित्यनाथ की एक तस्वीर भी पोस्ट की, जिस पर उनकी टिप्पणी- सरकारी भवनों में गोबर आधारित पेंट का इस्तेमाल किया जाना चाहिए- लिखी हुई है। योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को उत्तर प्रदेश में गौ संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया और सरकारी भवनों में गोबर आधारित पेंट के इस्तेमाल की वकालत की। यादव की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी के प्रमुख को गाय के गोबर और मवेशियों से नफरत है। त्रिपाठी ने पूछा, यादववंशी अखिलेश यादव को गाय के गोबर और मवेशियों से नफरत है। क्या ऑस्ट्रेलिया जाकर वह भारतीय संस्कृति और परंपराओं को भूल गए हैं या फिर अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के लिए गाय, गंगा और गीता का अपमान कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि अखिलेश यादव को गौवंश की समृद्धि का उपहास उड़ाने के बजाय इसे प्रोत्साहित करना चाहिए।

एक के बदले दस सिर लेकर आएं पीएम मोदी : उदित राज

» कांग्रेस नेता ने याद दिलाया पुराना वादा

» रक्षा मंत्री से भी पूछा- कार्रवाई करने से कौन रोक रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता उदित राज ने हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीमा पार कार्रवाई के बारे में अपने पिछले वादों को निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने वादा किया था कि हम लाहौर में घुसेंगे और एक के बदले दस सिर लाएंगे उन्हें ये वादे पूरे करने चाहिए।

उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से सवाल किया कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ ऐसी कार्रवाई को कौन रोक रहा है। राज ने कहा कि पीएम मोदी ने वादा किया था कि हम लाहौर में घुसेंगे और एक के बदले दस सिर लाएंगे। पीएम मोदी को ये वादे पूरे करने चाहिए। उन्होंने इस घटना पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रतिक्रिया पर भी सवाल

उठाते हुए कहा, मैं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से पूछना चाहता हूं कि आपको कौन रोक रहा है? आपको आगे बढ़ना चाहिए, कांग्रेस पार्टी और पूरा विपक्ष आपके साथ खड़ा है। यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद आई है, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे। इस हमले ने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया है और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की मांग फिर से उठ रही है। जवाब में सरकार ने आतंकवाद को करारा झटका देने के अपने संकल्प को दोहराया है। इसने आश्वासन दिया कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के साथ-साथ इसके पीछे के मास्टरमाइंड को भी गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

हरियाणा को एक बूंद पानी नहीं देंगे : मान

मान सरकार का विस में प्रस्ताव, सफेद हाथी बन गया बीबीएमबी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा और पंजाब के बीच भाखड़ा बांध जल बंटवारा विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में दोनों राज्यों के बीच वार-पलटवार भी देखने को मिल रहा है। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का बड़ा बयान सामने आया है। भगवंत मान ने कहा कि आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा ने 31 मार्च तक अपने हिस्से का पानी इस्तेमाल कर लिया है। फिर भी हम उन्हें पीने का पानी दे रहे हैं।

उन्हें 20 मई की रात को पानी मिलेगा। 15 दिन तक उन्हें अपनी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भगवंत मान ने आगे कहा कि हमने उन्हें छह पत्र लिखे थे। हर महीने मीटिंग होती थी, और हम हर महीने उन्हें लिखते थे कि इस बार उनका पानी खत्म हो जाएगा। फिर भी उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। पंजाब ने डैम सेफ्टी एक्ट को निरस्त कर दिया। बीबीएमबी (भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट

बोर्ड) का आचरण तानाशाही है, इसका कड़ा विरोध किया गया है। यह पारित हो चुका है कि बीबीएमबीसफेद हाथी बन गया है, पंजाब खर्च उठाता है लेकिन पंजाब को दरकिनार करके फैसले पारित किए जाते हैं। वे 3-4 घंटे के नोटिस पर मीटिंग बुलाते हैं। लेकिन आपातकालीन मीटिंग के लिए भी एक सप्ताह का नोटिस चाहिए...वे 6-7 घंटे का नोटिस भी नहीं देते। इसलिए, बीबीएमबी का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब बांध सुरक्षा अधिनियम को निरस्त कर रहा है। पंजाब अपना स्वयं का अधिनियम लाएगा, क्योंकि हम अपने बांधों की सुरक्षा करना जानते हैं। भगवंत मान सरकार ने सोमवार को राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया, जिसमें पड़ोसी राज्य के लिए अपने हिस्से का एक भी बूंद पानी नहीं छोड़ने का संकल्प जताया गया। पंजाब के जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान प्रस्ताव पेश किया और इसे सदन में चर्चा के लिए रखा गया। गोयल ने प्रस्ताव पढ़ते हुए कहा कि भाजपा हरियाणा और केंद्र में अपनी सरकारों तथा भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के माध्यम से पंजाब के अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही है।

केंद्र माओवादियों के खिलाफ 'ऑपरेशन कगार' रोके : केसीआर

» मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से भी पूर्व सीएम ने आग्रह किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने छत्तीसगढ़ में माओवाद विरोधी अभियानों में आदिवासियों और युवाओं के मारे जाने का आरोप लगाते हुए केंद्र से ऑपरेशन कगार रोकने का आग्रह किया।

बीआरएस की रजत जयंती मनाने के लिए हनुमानकोंडा जिले में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के साथ बातचीत करने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि आज केंद्र सरकार ऑपरेशन कगार के नाम पर छत्तीसगढ़ में युवाओं और आदिवासियों की हत्या कर रही है। यह उचित नहीं है। शांति वार्ता के लिए माओवादियों के कथित प्रस्ताव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि (केंद्र द्वारा) बल प्रयोग से उग्रवादियों को खत्म करना लोकतंत्र की भावना के अनुरूप नहीं है।

राव ने यह मांग ऐसे दिन की है जब बुद्धिजीवियों और अन्य लोगों के एक समूह ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से आग्रह किया कि वह केंद्र को संघर्ष विराम की घोषणा करने और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के साथ शांति वार्ता के लिए राजी करने का प्रयास करें।

पानी रे पानी तेरा रंग कैसा...लग रही सियासी आग

- हरियाणा-पंजाब में जल को लेकर विवाद
- हिमाचल ने भी पानी को लेकर उठाए सवाल
- दिल्ली में बारिश की पानी पर रार
- पाकिस्तान को पानी रोकने पर भी आम हुई चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पानी रे पानी तेरा रंग कैसा...आज कल भारत के अंदर व बाहर पानी की चर्चा चल रही है। आम से लेकर खास तक जहां भारत सरकार द्वारा पाकिस्तान का पानी रोकने को लेकर आपस में बहस कर रहें है तो इसी बतकही पाकिस्तान से लेकर विदेश के अन्य देशों में भी चल रही है। इन सबके बीच देश अंदर भी पानी को लेकर द्वंद्व छिड़ा हुआ है। जहां दिल्ली व एनसीआर में बारिश की पानी की वजह से हुए जलभराव पर बवाल मचा है तो वहीं पंजाब, हरियाणा, हिमाचल व दिल्ली में नदियों के जल बटवारे को लेकर रार मचा हुआ है। ऐसे में देश में पानी के कई सियासी रंग दिखाई दे रहे हैं। राज्यों के अलग-अलग राजनीतिक दल एक दूसरे पर बयान बोल रहे है और सियासी आग भी भड़का रहे हैं।

गौरतलब है कि बीते दिनों नई दिल्ली में हुई बैठक में केंद्र सरकार ने हरियाणा और पंजाब के बीच चल रहे भाखड़ा जल विवाद का हल निकालने के लिए बैठक हुई थी। केंद्र ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) को उसके प्रस्ताव के अनुसार हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने को कहा है। इस प्रस्ताव के अनुसार हरियाणा को अगले आठ दिनों तक 4500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दिया जाएगा। इसमें से थोड़ा पानी राजस्थान को भी जाएगा। इसके बदले में बीबीएमबी पंजाब को भी जरूरत पड़ने पर उसकी अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए पानी उपलब्ध कराएगा।

हरियाणा की पानी की मांग ज्यादा : भगवंत

रियाणा के साथ जल बंटवारे के विवाद पर पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि पानी को लेकर कोई विवाद नहीं है। हिमाचल के

गगल एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में मान ने कहा कि कानूनी तौर पर आंकड़े पंजाब के पक्ष में हैं। हमने हरियाणा को जितना पानी एक साल के लिए दिया था, उसे 10 महीने में इस्तेमाल कर दिया। अब दो महीने का अतिरिक्त पानी मांगा जा रहा। हरियाणा अपने हिस्से से ज्यादा पानी मांग रहा है। वे (हरियाणा) सिर्फ यही तर्क दे रहे हैं कि पहले भी उन्हें (अपने हिस्से से ज्यादा) पानी मिलता रहा है। हमने राज्य में नहर प्रणाली में सुधार किया है। हमारे पास अतिरिक्त पानी नहीं है।

प्रधानमंत्री के पास जाने का भी विकल्प

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के अधिवक्ता अभिषेक ने बताया कि पहले हरियाणा सरकार के पास केंद्र में जाकर हक की मांग उठाने का भी मजबूत विकल्प है। जब दो राज्यों के बीच इस तरह का विवाद उत्पन्न होता है और उसका हल वे आपस में नहीं निकाल पाते हैं तो आर्टिकल 257 में मिली शक्तियों के तहत प्रधानमंत्री के पास विशेषाधिकार होता है कि फैसला करें। हालांकि, इस विकल्प पर प्रदेश सरकार ज्यादा जोर दे सकती है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट जाने पर पानी की आपूर्ति में लेटलतीफी संभव है।

टूटने लगा लोगों का सब्र...

झपानी की किल्लत का सामना कर रहे लोगों का सब्र अब टूटने लगा है। रोहतक में रैनकपुरा क्षेत्र में पेयजल किल्लत से परेशान लोग रविवार को सड़क पर उतर आए। पांच से अधिक कॉलोनियों के लोगों ने जींद बाईपास पर करीब पांच घंटे जाम लगाया। उच्चाधिकारियों से जल्द पानी किल्लत का समाधान करने की मांग की। पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरजोत बैंस ने रविवार को नंगल बांध का दौरा किया और कंट्रोल रूम का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि बांध का पूरा नियंत्रण हमारे पुलिस प्रशासन के पास है। हरियाणा को उसके बनते हिस्से के अलावा एक बूंद पानी अतिरिक्त नहीं जाने दिया जाएगा। बैंस ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भी डैम पर तैनात हैं, जो पूरी नजर रख रहे हैं। धान की रोपाई का सीजन शुरू होने वाला है और राज्य के किसानों को पानी की सख्त जरूरत है, इसलिए किसी अन्य राज्य को अतिरिक्त पानी नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने अधिकारियों से नंगल बांध से छोड़े जाने वाले पानी की जानकारी भी प्राप्त की।

हम लड़ रहे लड़ाई, हिमाचल को पानी पर अपना हक मिलना चाहिए : सीएम सुक्खू

उधर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के लोगों को पानी पर अपना हक मिलना चाहिए। इसके लिए सरकार लड़ाई लड़ रही है। यह लड़ाई लंबी है। यदि इसका पैसा मिल जाए तो प्रदेश को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि पानी हिमाचल की बहुमूल्य प्राकृतिक संपदा है। राज्य 12,000 मेगावाट बिजली पैदा करता है, फिर भी हिमाचल को इससे क्या मिला। एसजेवीएनएल 6,700 करोड़ रुपये की कंपनी बन गई है, लेकिन उन्हें पूछना चाहिए कि हिमाचल को क्या मिला। मुख्यमंत्री ने यह बात न्यू शिमला के सेक्टर-5 में 18 करोड़ रुपये की लागत से बनी पार्किंग के उद्घाटन अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब और हरियाणा पानी को लेकर लड़ रहे हैं, लेकिन पानी हिमाचल से बह रहा है। बदले में हमें क्या मिल रहा है। सुक्खू ने सरकार को विरासत में मिली वित्तीय चुनौतियों पर कहा कि जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, तो राज्य सरकार पर 75,000 करोड़ रुपये का कर्ज था और सरकारी कर्मचारियों की 10,000 करोड़ रुपये की देनदारियां बकाया थीं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए राज्य सरकार को कुछ कड़े फैसले लेने पड़े। राज्य सरकार ने ईमानदार और पारदर्शी प्रयासों से पिछले ढाई वर्ष में 2,500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित किया है। इसके परिणामस्वरूप राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण विकास सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के माध्यम से उगाए गए मक्का, गेहूं और जौ सहित पशुपालकों को दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल ने 1.36 लाख कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू की है, जबकि पंजाब ने अब तक इसे लागू नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण सुधारों के सकारात्मक परिणाम मिलने लगे हैं।

हरियाणा का पानी रोकना असंवैधानिक : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का पंजाब और हरियाणा के बीच चल रहे जल विवाद को लेकर बयान सामने आया है। चंडीगढ़ में सर्वदलीय बैठक के दौरान हुड्डा ने कहा जहां तक हरियाणा के पानी का सवाल है तो हम सभी दल एक साथ प्रदेश सरकार के साथ खड़े हैं। किसी भी प्रदेश का पानी रोकना असंवैधानिक है। अभी तक पंजाब अपने शेयर से 9न्न ज्यादा पानी ले चुका है। यह पानी राजस्थान और दिल्ली में भी जाएगा। पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा का पानी रोकना असंवैधानिक, अमानवीय और अलोकतांत्रिक फैसला है। अगर जरूरत पड़ी तो हम सब दल मिलकर केंद्र सरकार के पास भी इस मुद्दे को लेकर एक साथ जाएंगे। बता दें कि शनिवार को चंडीगढ़ में

हरियाणा सरकार के साथ प्रदेश के सभी दलों की पानी के विवाद को लेकर सामूहिक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान, आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता, इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा और विधायक आदित्य देवीलाल मौजूद हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री और जेजेपी के नेता दुष्यंत चौटाला और पूर्व विधायक अमरजीत ढांडा भी बैठक में शामिल हुए इस बैठक में पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा के पानी को रोके जाने पर चर्चा हुई। बैठक में फैसला लिया गया कि अगर पंजाब हरियाणा को पानी नहीं देता तो इस मुद्दे को लेकर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट जाएगी। बता दें कि भाखड़ा से हरियाणा को अभी 4000 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। इसमें से 800 क्यूसेक राजस्थान, 500 क्यूसेक दिल्ली और 400 क्यूसेक पानी पंजाब को भी जाता है। हरियाणा 8500 क्यूसेक पानी मांग रहा है। इसी पर पंजाब को आपत्ति है।

विधानसभा से लेकर कोर्ट तक मचेगा शोर

पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र है। इसमें हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने की सिफारिश के खिलाफ प्रस्ताव लाया जा सकता है। इसमें भगवंत मान सरकार को विपक्ष का भी समर्थन मिलने की उम्मीद है। दूसरी ओर, हरियाणा ने सुप्रीम का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर ली है, लेकिन इससे पहले वह पंजाब विधानसभा में पास होने वाले प्रस्ताव को देखेगा और कानूनी विशेषज्ञों की सलाह लेने के बाद ही अगला कदम उठाएगा। इस बीच, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बीच रविवार को हुई मुलाकात के दौरान इस मसले पर विस्तार से चर्चा हुई। सीएम सैनी ने पंजाब के रुख और राज्य के सभी दलों की ओर से आए सुझावों की जानकारी मनोहर लाल को दी। बताया जा

रहा है कि केंद्र नंगल बांध का नियंत्रण बीबीएमबी को सौंपने के लिए पंजाब के खिलाफ कड़ा रुख अपना सकता है।पंजाब सरकार हरियाणा को अतिरिक्त पानी देने के प्रस्ताव के खिलाफ विधानसभा में प्रस्ताव ला सकती है। मान सरकार पानी के मसले पर आर-पार की लड़ाई के मूड में है। उसका तर्क है कि हरियाणा को जरूरत के मुताबिक 4000 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। 8500 क्यूसेक पानी की मांग नाजायज है। अतिरिक्त पानी का उपयोग हरियाणा सिंचाई के लिए करेगा। पंजाब से पानी लेने के लिए हरियाणा सरकार एसवाईएल को मुद्दा बनाकर सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी पूरी कर चुकी है। इसके लिए प्रदेश सरकार के वकीलों ने पानी से संबंधित सुप्रीम कोर्ट से पूर्व में दिए गए फैसलों को भी संदर्भ के तौर पर रखा है। दरअसल, एसवाईएल के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से पहले ही हरियाणा के पक्ष में फैसला दे चुका है, लेकिन पंजाब ने अब तक फैसले का पालन नहीं किया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

गंभीर बीमारी की दवा को सस्ती करे सरकार

भारत में बहुत से मरीज महंगी दवाओं के अभाव में अपना इलाज नहीं करा पाते हैं। ऐसे में समय-समय पर दवाओं को सस्ता करने की मांग उठती रहती है। पर वर्तमान सरकार जनऔषधि केंद्रों को खोलने की बात तो बहुत करती है पर हकीकत में वहां पर बुखार या छोटे मोटे बीमारी की दवा तो मिल जाती है पर महंगी दवा वहां भी नदारद रहती है। अभी हाल ही में सरकार कुछ गंभीर बीमारियों की दवा का दम बढ़ा कर मरीजों को और जख्म दे दिया है। अब देश की शीर्ष अदालत से लोगों को इंसाफ मिलने की उम्मीद जगी है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही एक टिप्पणी में कहा कि यदि डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए कानूनी रूप से बाध्य किया जाए, तो दवा कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को महंगी और ब्रांडेड दवाएं लिखने के लिए रिश्वत देने की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है। कोर्ट ने दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर तत्काल रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया। कोर्ट की यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की दिशा में एक अहम कदम हो सकता है। यहीं नहीं, आम जनता को सस्ती और सुलभ दवाओं का भी मार्ग प्रशस्त हो सकता है। भारत में दवा उद्योग एक विशाल और जटिल क्षेत्र है, जहां दवा कंपनियां अक्सर अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए अनैतिक तरीकों का सहारा लेती हैं। ये कंपनियां डॉक्टरों को मुफ्त उपहार, विदेश यात्राएं, महंगे रात्रिभोज और अन्य प्रलोभन देकर अपनी ब्रांडेड दवाओं को प्रचारित करने के लिए प्रेरित करती हैं। नतीजतन, डॉक्टर कई बार मरीजों को ऐसी दवाएं लिखते हैं, जो न केवल महंगी होती हैं, बल्कि कई बार अनावश्यक भी होती हैं। इसका सीधा असर मरीजों की जेब और स्वास्थ्य पर पड़ता है। जेनेरिक दवाएं, जो ब्रांडेड दवाओं का सस्ता विकल्प होती हैं, वही सक्रिय तत्व (एक्टिव इंग्रेडिएंट) रखती हैं और उतनी ही प्रभावी होती हैं। फिर भी, इनका उपयोग भारत में अपेक्षाकृत कम है, क्योंकि डॉक्टरों पर कोई बाध्यकारी कानून नहीं है। हालांकि, भारतीय मेडिकल काउंसिल ने डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन ये बाध्यकारी नहीं, एक स्वैच्छिक संहिता है, जिसका पालन दवा कंपनियां अपनी मर्जी से करती हैं। दवा कंपनियों की अनैतिक प्रथाएं केवल आर्थिक शोषण तक सीमित नहीं हैं, ये मरीजों के स्वास्थ्य और जान को भी खतरे में डालती हैं। महंगी दवाओं के प्रचार के कारण कई बार गरीब मरीज इलाज से वंचित रह जाते हैं। यदि जेनेरिक दवाओं को अनिवार्य किया जाए, तो न केवल दवाओं की कीमतें कम होंगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाएं भी अधिक समावेशी और सुलभ बनेंगी। इसके अलावा, यह कदम दवा कंपनियों और डॉक्टरों के बीच अनैतिक गठजोड़ को तोड़ने में भी मदद करेगा। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सरकार और नीति निर्माताओं के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार अब और टाला नहीं जा सकता। यह न केवल आम जनता के हित में होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही एक टिप्पणी में कहा कि यदि डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए कानूनी रूप से बाध्य किया जाए, तो दवा कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को महंगी और ब्रांडेड दवाएं लिखने के लिए रिश्वत देने की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है। कोर्ट ने दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर तत्काल रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया। कोर्ट की यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की दिशा में एक अहम कदम हो सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पाकिस्तान जैसी समस्या के समाधान का प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

पहलगाम नरसंहार पर मध्य मार्ग अपनाने की कोशिश करने में लगे अमेरिकी फिर से वही कर रहे हैं, जिसमें उन्हें महारत है, यह कहकर कि प्रधानमंत्री मोदी को 'हमारा पूर्ण समर्थन' है, लेकिन ठीक इसी वक्त पाकिस्तान की आलोचना एक हद से परे जाकर करने से बच रहे हैं। आखिरकार, अमेरिकी प्रशासन में यह तर्क चला हुआ है कि अगर आप अपराधी की मदद करने वालों पर खुलेआम इल्जाम लगा देंगे, तो भविष्य में उन्हीं से मदद कैसे मांग पाएंगे?

यहां कोई मुगालता न रहे, अंतत: युद्ध कोई नहीं चाहता। न अमेरिकी, न ही यूरोपीय। रूसियों को इतनी परवाह नहीं है, क्योंकि वे तीन साल से युद्धरत हैं और अपने बहुत लोगों को खो चुके हैं, लेकिन व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के उस हिस्से को पाने के लिए दृढ़संकल्प लगते हैं, जिस पर उनकी नजर है। जहां तक चीनियों का सवाल है, वे भी युद्ध नहीं चाहते क्योंकि, जैसा कि जैबिन टी जैकब ने लिखा है, वे चाहेंगे कि 'युद्ध को छोड़कर' भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी रहे, जो धीरे-धीरे एक-दूसरे को निपटा देगा। पहलगाम के बाद की स्थिति निश्चित रूप से असामान्य है। सर्वप्रथम, 2016 में उड़ी और 2019 में पुलवामा कांड में सैनिकों के शहीद होने के विपरीत, इस बार निर्दोष नागरिक मारे गए हैं। भारत ने उड़ी हमले का जवाब नियंत्रण रेखा के पार 'सर्जिकल स्ट्राइक' करके और पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान की सीमा के काफी अंदर घुसकर बालाकोट स्थित आतंकी शिविरों पर मिसाइलें दागकर किया था। दूसरा, कारगिल में संघर्ष सहित भारत और पाकिस्तान के बीच सभी पिछले युद्ध जो भारत ने लड़े हैं और जीते हैं-भले ही शुरुआत भारत ने कभी नहीं की। इस बार, पीएम मोदी ने सार्वजनिक रूप से सबक सिखाने की बात कही है। इस वादे से लेकर कि उनकी सरकार हमले को अंजाम देने वाले आतंकवादियों को खोजने के लिए 'दुनिया के अंतिम छोर तक जाएगी', गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हिंदी में यह कहने तक कि 'चुन-चुन के जवाब दिया जाएगा', ऐसा साफ लगता है कि बदला लिया जाएगा।

स्पष्टत: प्रधानमंत्री पाकिस्तान का व्यवहार हमेशा के लिए बदलना चाहते हैं। पिछली सरकारों, भाजपा और कांग्रेस दोनों की, ने अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, जवाब देने की अलग-अलग शैली आजमाई थी। कारगिल में युद्ध लड़ने से लेकर आगरा में वार्ता के लिए परवेज मुशर्रफ को आमंत्रित करना, लेकिन उनके साथ समझौता अंतिम क्षण पर सिरे न चढ़ने तक और मुंबई हमलों के बाद संबंध तोड़ने से

लेकर दिल्ली से रावलपिंडी के लिए सीधे विशेष विमान से विदेश मंत्री को भेजकर संबंध बहाल करने तक पिछले 30 सालों में तमाम नुस्खे आजमाए जा चुके हैं। सवाल यह है कि पाकिस्तान जैसी समस्या का समाधान कैसे किया जाए? इस सवाल से जूझने वाले हर प्रधानमंत्री की तरह मोदी को इल्म है कि इतिहास में उनकी याद इस बात से प्रभावित होगी कि वे भारत के पश्चिमी पड़ोसी के साथ किस प्रकार बरत पाए। उन्होंने न केवल 2014 में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को दिल्ली आमंत्रित किया बल्कि 2015 में उनके घर पहुंचकर भी हाथ मिलाने की कोशिश की। अगले कुछ दिन और सप्ताह सबसे कठिन होने की उम्मीद है।

सबसे महत्वपूर्ण कारकों में अमेरिका का रुख अहम रहेगा। भारत और पाकिस्तान, दोनों पर, काफी प्रभाव रखने वाली एकमात्र शक्ति के रूप में, ट्रम्प प्रशासन भावनाओं को शांत करने की आस में दोनों पक्षों के संपर्क में है। लेकिन तथ्य यह है कि कोई अमेरिकी विशेष दूत अब तक सूटकेस पैक करके नई दिल्ली या इस्लामाबाद के लिए रवाना नहीं हुआ। भले ही भारत सार्वजनिक रूप से 'तीसरे पक्ष' को बीच में डालने के विचार मात्र को नापसंद करता है। यह दर्शाता है कि भारत के अलावा दुनिया भर के देशों के साथ टैरिफ पर सौदेबाजी करने में उलझे अमेरिका के पास और भी काम हैं। वास्तव में,उम्मीद है कि टैरिफ पर द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले शुरुआती देशों में भारत-अमेरिका संधि एक हो सकती है, जिससे आर्थिक चिंता कुछ कम हो पाएगी, जोकि पहलगाम घटना से पहले एक बड़ा मुद्दा रही। फिर, पहलगाम घटना पर डोनाल्ड ट्रम्प की शुरुआती टिप्पणियों पर गौर करें, जब उन्होंने एक सप्ताह पहले प्रेस रिपोर्टरों से कहा- 'मैं भारत के बहुत करीब हूं और मैं पाकिस्तान के भी बहुत करीब हूं, जैसा कि आप जानते हैं। और कश्मीर को लेकर वे 1,000 वर्षों से झगड़ रहे हैं। कश्मीर का मसला 1,000 वर्षों से जारी है, शायद उससे भी अधिक समय से'।

लेकिन जिस प्रकार भारत की ओर से बयानबाजी में तेजी आई, जिसमें देश भर के परिवारों के दुख की गूंज भी शामिल है, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की ताजा टिप्पणियों में वही घबराहट झलक रही है, जो 1999 के कारगिल संघर्ष के दौरान बिल क्लिंटन के ब्यानों में थी, जब वे महसूस करने लगे थे कि कहीं टकराव बढ़कर 'परमाणु युद्ध' में न बदल जाए।

हमारे संस्कार ही हैं सबसे बड़ी पूंजी

समाज में जीवन मूल्यों और संस्कारों को पराभाव से उपजी टीस के बीच एक प्रेरक और मार्मिक प्रसंग प?ने को मिला है, जिसने मुझे उद्वेलित कर दिया है। वह प्रसंग मैं सुधी पाठकों से साझा करना चाहता हूं! एक समय की बात है कि एक बहुत ही गरीब पिता ने मेहनत-म?दूरी करके अपने बेटे को प?या-लिखाया और बेटे ने भी पिता की प्रेरणा से जमकर परिश्रम किया।

डॉ. योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण'

निरंतर आत्मकेंद्रित होते समाज में व्यक्ति का चरम भौतिकतावादी होना किसी भी समाज के लिये खतरे की घंटी है। जीवन मूल्यों का यह पराभव कालांतर में हमारे रिश्ते-नातों को लीलता है। लोक उपकार की भावना तिरोहित होती है। कुल मिलाकर मानवता का हनन होता है। व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य में कमी कालांतर में समाज की दिशा-दशा भी प्रभावित करती है। आज समाज में आर्थिक उपलब्धियों को तो सफलता का पर्याय मान लिया जाता है, लेकिन किसी को भी 'संस्कारों' के खोने की कोई चिंता नहीं! अक्सर विभिन्न समाचार-पत्रों व सूचना के अन्य माध्यमों में यह सुनने को मिलता है कि किसी बेटे-बहू ने अपनी मां को घर से निकाल दिया या पिता के साथ रहने से उन्हें परेशानी है तो सहज ही लगता है कि हम अपने मूल भारतीयता के संस्कार पीछे छोड़ते जा रहे हैं!

समाज में जीवन मूल्यों और संस्कारों को पराभाव से उपजी टीस के बीच एक प्रेरक और मार्मिक प्रसंग पड़ने को मिला है, जिसने मुझे उद्वेलित कर दिया है। वह प्रसंग मैं सुधी पाठकों से साझा करना चाहता हूं! एक समय की बात है कि एक बहुत ही गरीब पिता ने मेहनत-मजदूरी करके अपने बेटे को पढ़ाया-लिखाया और बेटे ने भी पिता की प्रेरणा से जमकर परिश्रम किया। फिर एक दिन ऐसा आया कि बेटा आईएएस की परीक्षा पास कर विभिन्न पदों से गुजरता हुआ 'जिलाधिकारी' बन गया! पिता की प्रसन्नता का कोई ठिकाना नहीं था! बेटे की सफलता से पिता का सीना गर्व से फूल गया। लेकिन उसने सोचा कि क्या मेरे दिए संस्कार बेटे में विद्यमान हैं। बड़ा अधिकारी बनने के साथ उसमें मानवीय मूल्य पहले की तरह ही विद्यमान हैं? उसने बेटे की परीक्षा लेनी चाही। फिर जिस दिन बेटा 'जिलाधिकारी' की कुर्सी पर बैठा तो गर्वित पिता वहां पहुंचा और उसने अपने बेटे के सिर पर हाथ रखकर पूछा, 'बेटे, संसार में सबसे बड़ा कौन है?' पिता के सवाल के जवाब में बेटे ने कहा, 'पिता जी, मुझसे बड़ा कोई नहीं है!' पिता को अपने बेटे का उत्तर सुनकर एक झटका-सा लगा। उन्हें लगा कि बेटा विभागीय तरक्की की परीक्षा में तो पास हो गया है, लेकिन लगता है संस्कारों की परीक्षा में सफल नजर नहीं आता। वे निराश भाव से लौटने लगे तो बेटे ने पिता से कहा, 'पिताजी, अब फिर से अपना सवाल मुझसे नहीं पूछेंगे?' पहले तो पिता को बेटे के सवाल पर आश्चर्य हुआ। लेकिन फिर उन्होंने बेटे से पूछ ही लिया कि 'संसार में सबसे बड़ा कौन है?' तो बेटे ने उत्तर दिया' 'पिताजी, आपसे बड़ा कोई भी नहीं है!' लौटते पिता ने रुक कर पूछा, 'कुछ देर पहले तो तुमने कहा था कि तुमसे बड़ा और कोई नहीं है, तो अब क्या हुआ?' बेटे ने शांत भाव से उत्तर दिया, 'पिताजी, आपने सवाल किया था, तब आपका हाथ मेरे सिर पर रखा हुआ था, इसीलिए मैंने कहा था कि मुझसे बड़ा संसार में कोई नहीं है! लेकिन यह एक हकीकत है कि पिता जी 'आपसे बड़ा' तो हो ही नहीं सकता क्योंकि अपने पुत्र को संस्कार देने वाले पिता के अलावा दुनिया में कोई नहीं हो सकता।'

निस्संदेह, इस हृदयस्पर्शी मार्मिक प्रसंग ने मेरे हृदय को गहरे तक प्रभावित किया। इसमें दो राय नहीं कि आज की युवा-पीढ़ी को संस्कारों की सच्ची दौलत देने की सख्त आवश्यकता है। इस दिशा में समाज को फिर से प्रयास करने होंगे। निर्विवाद रूप से भारतीय संस्कृति में जिन तीन पूज्य व्यक्तित्वों को शीर्ष स्थान दिया गया है, उनमे माता, पिता और गुरु को रखा गया है। जैसे कहा भी गया है कि 'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव और आचार्यदेवो भव'! इसमें दो राय नहीं किसी भी समाज में माता का ऋण सर्वोपरि है चूंकि मां ही जन्म देकर इस संसार में कुछ करने का अवसर देती है! पिता ही हमें समाज से परिचित कराकर जीवन की ऊंच-नीच से अवगत करते हैं। इसके अलावा हमारे गुरु हमारे जीवन से अज्ञान को मिटाकर हमें ज्ञान देते हैं। तभी हम समाज में कहीं कुछ बन पाते हैं! ये आज के वक्त की विडंबना ही है हम अपनी युवा-पीढ़ी को तमाम भौतिक सुख-सुविधाएं चांदी-सोना तो खूब देना चाहते हैं, लेकिन संस्कारों को शून्य बनाते जा रहे हैं! महाकवि तुलसीदास ने तो 'रामचरित मानस' में स्पष्ट कहा है-

'प्रात काल उठि के रघुनाथा!
मातु पिता गुरु नावहिं माथा!'

यह तथ्य विचारणीय है कि आखिर क्यों हम आज पश्चिमी भौतिकता की आंधी में फंस कर अपनी इन संस्कारों की बेशकीमती दौलत को भूल गए हैं? क्यों हमने भारतीय समाज के सबसे बड़े चिंतन को भुला दिया है, जिस में कहा गया था-

'गोधन, गजधन, बाजिधन,और रतन धन खान!
जब आवै सन्तोष धन, सब धन धूरि समान!'

निस्संदेह, आज बहुत आवश्यक हो गया है कि 'सन्तोष धन' अर्थात 'आत्म-संतोष' के उच्चतर जीवनमूल्य को फिर से स्थापित करने के गंभीर प्रयास हम करें! हमें सदैव याद रखना चाहिए कि तमाम सुख और शांति जीवन में भौतिक उपलब्धि हासिल करके नहीं पायी जा सकती बल्कि जीवन के 'संस्कारों' से उन्हें पाया जा सकता है! जिस दिन हृदय में 'सन्तोष का भाव' आ जाता है, उस दिन हमें सच्चे सुख की अनुभूति सहज ही होने लगेगी!

लहसुन की रोज खाएं 1 कली

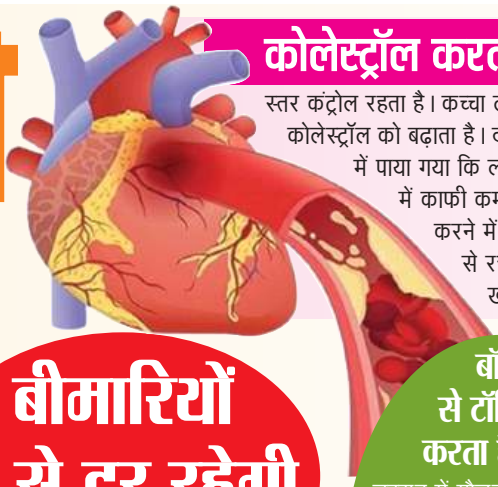

खाली पेट लहसून खाने के फायदे और नुकसान पर चर्चा करना एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण विषय है। लहसून, जिसे हम गार्लिक के नाम से भी जानते हैं, हमारे रसोईघर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन का सेवन सदियों से दवा के तौर पर किया जा रहा है। लहसुन एक ऐसा मसाला है जिसका सेवन करने से खाने का स्वाद बढ़ता है और बॉडी को कई तरह के फायदे भी मिलते हैं। रोजाना कच्चे लहसुन का सेवन करने से बॉडी में कई तरह के सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं। आयुर्वेद के मुताबिक कच्चे लहसुन की सिर्फ एक कली का अगर रोजाना सेवन किया जाए तो ये स्वास्थ्य के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है।

आयुर्वेदिक एक्सपर्ट के मुताबिक लहसुन का सेवन आजकल जोर पकड़ने वाली तीन गंभीर बीमारियों कोलेस्ट्रॉल, हाई बीपी और शुगर की बीमारी में असरदार साबित होता है।

बीमारियों से दूर रहेगी बॉडी

कोलेस्ट्रॉल करता है कंट्रोल

कच्चे लहसुन की एक कली का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल का स्तर कंट्रोल रहता है। कच्चा लहसुन खराब कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। द जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक मेटा-विश्लेषण में पाया गया कि लहसुन का सेवन करने वाले लोगों के कोलेस्ट्रॉल के स्तर में काफी कमी देखी गई। लहसुन का सेवन दिल की सेहत में सुधार करने में बेहद असरदार साबित होता है। खाली पेट लहसून खाने से रक्त प्रवाह में सुधार होता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

बॉडी से टॉक्सिन करता है बाहर

लहसुन में मौजूद सल्फर यौगिक बॉडी से टॉक्सिन को बाहर निकालने में भी मदद करता है। लहसुन ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है, सिर दर्द का इलाज करता है। ये एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है जो बॉडी से टॉक्सिन निकालने में लिवर की मदद करता है।

इम्युनिटी करता है बूस्ट

लहसुन पोषक तत्वों से भरपूर फूड है जो इम्युनिटी को स्ट्रॉन्ग करता है। यह फूड विटामिन सी और विटामिन बी 6, मैंगनीज और सेलेनियम से भरपूर होता है जो ना सिर्फ इम्युनिटी को स्ट्रांग बनाता है बल्कि बॉडी को हेल्दी भी रखता है। एक रिसर्च के मुताबिक जिसमें 146 लोगों को शामिल थे, पाया गया है कि जो लोग रोजाना लहसुन की एक कली का सेवन करते हैं उन्हें संक्रमण और सर्दी जुकाम का खतरा 63 प्रतिशत तक कम रहता है। लहसुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-बैक्टीरियल गुण शरीर को संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र को रखेगा ठीक

लहसून में सल्फर कंपाउंड्स होते हैं जो पेट के बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यह गैस, अपच और अन्य पेट की समस्याओं को कम करने में मदद करता है। खाली पेट लहसून खाने से पाचन तंत्र सही तरीके से काम करता है। लेकिन उन लोगों को सावधान रहना चाहिए जिनका पेट सेंसिटिव है। अगर आपको पेट में तकलीफ होती है, तो लहसून का सेवन कम करें।

वजन घटाने में मददगार

लहसून शरीर के मेटाबोलिज्म को बढ़ाता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है। यह शरीर के चर्बी को जलाने में सहायक होता है। यदि आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो खाली पेट लहसून का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

ब्लड प्रेशर रहता है कंट्रोल

आयुर्वेद में सदियों से बीपी को नॉर्मल करने के लिए लहसुन का सेवन किया जा रहा है। लहसुन की एक कच्ची कली का सेवन करने से बीपी को नॉर्मल रखा जा सकता है। लहसुन में मौजूद एलिसिन यौगिक ब्लड वैसल्स को आराम देता है और ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है। एक्सपेरिमेंटल एंड थेराप्यूटिक मेडिसिन की एक रिसर्च के मुताबिक लहसुन का अर्क ब्लड प्रेशर को कम करता है। लहसुन बीपी की दवा की तरह ही असरदार है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए एक प्राकृतिक उपाय साबित हो सकता है। लेकिन लहसून का सेवन रक्त को पतला करता है, जो कुछ मामलों में समस्या पैदा कर सकता है, खासकर अगर आप पहले से ही रक्त पतला करने वाली दवाइयां ले रहे हों। ऐसे में लहसून का सेवन सीमित मात्रा में करें।

हंसना मना है

ये वो दौर है जनाब जहां इंसान गिर जाये तो हंसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो जान निकल जाती है।

महिला- डॉक्टर साहब, मेरे पति नींद में बातें करने लगे हैं! क्या करूं? डॉक्टर- उन्हें दिन में बोलने का मौका दीजिए!

डॉक्टर - आपका लड़का पागल कैसे हो गया? पिता- वो पहले जनरल बोगी में सफर करता था। डॉक्टर - तो इससे क्या? पिता- लोग बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको, तभी से खिसक गया।

सोनू पत्नी से- सुनती हो, अगर तुम्हारे बाल इसी रफ्तार से झड़ते रहे, तो मैं तुमको तलाक दे दूंगा। पत्नी- हे भगवान, मैं पागल अब तक इनको बचाने की कोशिश कर रही थी।

लड़की बंटी से- क्या कर रहे हो? बंटी - मच्छर मार रहा हूं। लड़की - अब तक कितने मारे? बंटी- पांच मारे.. तीन फीमेल और दो मेल। लड़की - कैसे पता चला कि मेल कौन है और फीमेल कौन? बंटी - तीन आईने पर बैठे थे और दो बियर के पास।

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

कहानी | कुएं का पानी

एक किसान को अपने खेतों को सींचने के लिए पानी की जरूरत थी। इसलिए, वह कई दिनों से अपनी जमीन के आसपास किसी कुएं की तलाश कर रहा था। अचानक उसे खेतों के नजदीक एक कुआं दिखा। अगले दिन वह पानी लेने कुएं पर पहुंचा। जैसे ही उसने कुएं के नजदीक रखी बाल्टी कुएं में डाली, वहां एक आदमी आ धमका। वह बोला, यह कुआं मेरा है। अगर तुम इस कुएं से पानी लेना चाहते हो, तो तुम्हें इस कुएं को खरीदना होगा। फिर दोनों के बीच एक रकम तय हुई। किसान के पास उतने पैसे तो थे नहीं, लेकिन वह यह मौका छोड़ना नहीं चाहता था। इसलिए, किसान ने उस आदमी को अगले दिन वह रकम देने का वादा किया। घर पहुंचते ही उसने अपने करीबियों और दोस्तों से इस बारे में बात की और कुएं के लिए तय हुई रकम का इंतजाम करने में जुट गया। आखिरकार उसने वह रकम जमा कर ली। अब वह पूरी तरह से निश्चिंत हो चुका था कि उसे कुआं खरीदने से कोई नहीं रोक सकता। इसी सोच में वह पूरी रात सो नहीं सका। अगले दिन सुबह होते ही वह कुआं खरीदने निकल पड़ा। उस आदमी के घर पहुंच किसान ने उसके हाथ पर पैसे रखे और कुएं को खरीद लिया। जैसे ही किसान ने कुएं से पानी निकालने के लिए बाल्टी उठाई, उस आदमी ने फिर बोला ठहरो, तुम इस कुएं से पानी नहीं निकाल सकते हो। मैंने तुम्हें कुआं बेचा है, कुएं का पानी अभी भी मेरा है। किसान मायूस हो गया और न्याय के लिए राजा के दरबार में शिकायत करने पहुंच गया। राजा अकबर ने उस किसान की पूरी कहानी सुनी और फिर उस आदमी को दरबार में बुलाया, जिसने वह कुआं बेचा था। राजा ने उससे पूछा, जब तुमने इस किसान को अपना कुआं बेच दिया, तो फिर इसे पानी क्यों नहीं लेने दे रहे हो। आदमी बोला, महाराज मैंने इसे केवल कुआं बेचा था, पानी नहीं। उन्होंने कहा कि बात तो यह पते की कह रहा है, कुआं बेचा है, पानी तो नहीं। उन्होंने बीरबल को बुलाया। बीरबल ने एक बार फिर दोनों से उनकी समस्या पूछी। पूरी बात जानने के बाद बीरबल ने उस आदमी से कहा ठीक है, तुमने कुआं बेचा पानी नहीं। फिर तुम्हारा पानी किसान के कुएं में क्या कर रहा है? कुआं तुम्हारा नहीं है, फौरन अपने पानी को कुएं से बाहर निकालो। बीरबल का इतना कहते ही, उस आदमी को समझ आ गया कि अब उसकी चालाकी किसी काम नहीं आने वाली। उसने राजा से फौरन माफी मांगी और माना कि कुएं के साथ उसके पानी पर भी किसान का पूरा अधिकार है। यह देखकर राजा अकबर ने बीरबल की बुद्धिमानी की तारीफ की और कुआं बेचने वाले आदमी पर धोखेबाजी के लिए जुर्माना लगाया।

7 अंतर खोजें

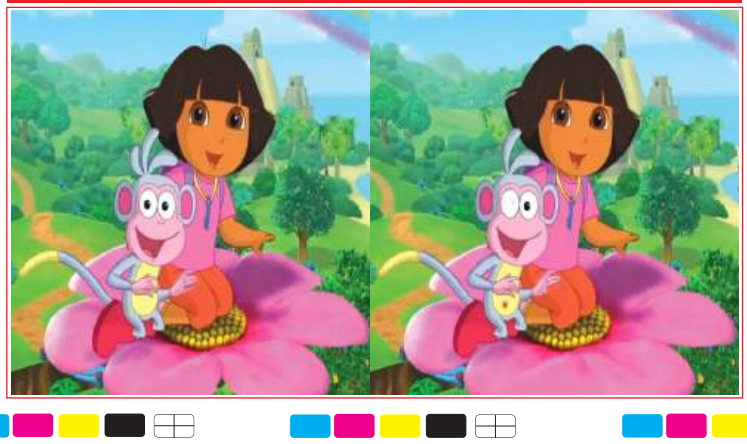

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आय बनी रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में सहकर्मी विरोध कर सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, धैर्य रखें। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है।

वृषभ

कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

मिथुन

भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

कन्या

सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला

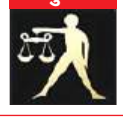

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी।

धनु

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

मकर

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। प्रमाद न करें।

मीन

कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

इंडस्ट्री के लोगों ने चोरी को बनाया आम : नवाजुद्दीन

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में इंडस्ट्री की रचनात्मकता को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने बॉलीवुड के पुराने फॉर्मूलों को दोहराने और दूसरों की नकल करने की आदत को जमकर लताड़ा। उनका मानना है कि बॉलीवुड में नए विचारों की कमी और असुरक्षा की भावना ने क्रिएटिविटी को पीछे धकेल दिया है। नवाज ने कहा, हमारी इंडस्ट्री में एक ही चीज को पांच साल तक घसीटा जाता है। जब लोग बोर हो जाते हैं, तभी उसे छोड़ा जाता है। असल में असुरक्षा बहुत बढ़ गई है। लोग सोचते हैं कि एक फॉर्मूला चल रहा है, तो उसे बार-बार दोहराओ। और तो और अब तो दो, तीन और चार भाग बनने लगे हैं। जैसे पैसों की कंगाली होती है वैसे ही यह रचनात्मक कंगाली है। नवाज ने बॉलीवुड में दूसरों से कॉपी करने की आदत पर भी करारा तंज कसा। उन्होंने कहा, जो चोर हैं वो भला क्रिएटिव कैसे हो सकते हैं? हमने साउथ से चुराया, कभी इधर से, कभी उधर से। कुछ हिट कल्ट फिल्मों के सीन भी चोरी किए गए हैं। इसे इतना सामान्य कर दिया गया है कि लोग कहते हैं कि चोरी है तो क्या हुआ? उन्होंने कहा कि पहले तो लोग विदेशी फिल्मों का वीडियो लाकर कहते थे कि ऐसी फिल्म बनानी है। फिर उसे हू-ब-हू कॉपी कर लिया जाता था। नवाज ने सवाल उठाया कि ऐसी इंडस्ट्री से आप क्या उम्मीद कर सकते हैं? उनके मुताबिक इस माहौल में न तो अच्छे एक्टर सामने आ पाते हैं और न ही बेहतर डायरेक्टर। उन्होंने डायरेक्टर अनुराग कश्यप का जिक्र करते हुए कहा कि अच्छा काम करने वाले लोग इंडस्ट्री छोड़ रहे हैं। इन तमाम चर्चाओं के बीच नवाज अपनी नई ओटीटी फिल्म कॉस्तॉव के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में इस फिल्म ने ओटीटी पर दस्तक दी है। इस फिल्म में वह कॉस्तॉव फर्नांडीज नाम के एक गोवा कस्टम्स ऑफिसर की भूमिका में हैं, जो सोने की तस्करी के बड़े रैकेट को खत्म करने के लिए सब कुछ दांव पर लगा देता है।

पूजा हेगड़े के कॅरियर पर लगा ग्रहण

अभिनेत्री पूजा हेगड़े हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी लगातार नजर आती हैं। साउथ इंडस्ट्री से करियर की शुरूआत करने वाली पूजा हेगड़े ने बाद में बॉलीवुड में भी काम किया है। मौजूदा वक्त में पूजा हेगड़े उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जिनके पास फिल्मों की लाइन लगी है और वो लगातार फिल्में कर रही हैं। इन दिनों भी पूजा हेगड़े की तमिल फिल्म 'रेट्रो' सिनेमाघरों में चल रही है। जिसमें वो सूर्या के साथ नजर आ रही हैं। लेकिन पिछले कुछ वक्त से पूजा हेगड़े के करियर पर जैसे ग्रहण सा लग गया है। क्योंकि उनकी पिछली छह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा पाई हैं। इसमें बॉलीवुड से लेकर साउथ तक की फिल्में शामिल हैं। हालिया रिलीज रेट्रो भी चार दिनों में 50 करोड़ का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई है। इसी साल के पहले महीने में पूजा हेगड़े शाहिद कपूर के साथ बॉलीवुड फिल्म 'देवा' में नजर आई थीं। 'देवा' साउथ की ही फिल्म का रीमेक थी। काफी हाइप बनने के बाद भी देवा बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी। 'देवा' इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 40 करोड़ का भी आंकड़ा पार नहीं कर पाई थी। साल 2023 में पूजा हेगड़े बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आई थीं। ईद पर आने के बावजूद सलमान खान और पूजा हेगड़े की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना कोई कमाल नहीं दिखा पाई थी। फिल्म को न तो क्रिटिक्स ने सराहा था और न ही दर्शकों को ये फिल्म पसंद आई थी। लगभग 132 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म अपना पैसा तक वसूल नहीं कर पाई थी। पूजा हेगड़े साल 2022 में रोहित शेट्टी की कॉमेडी फिल्म 'सर्कस' में नजर आई थीं। इस फिल्म में रणवीर सिंह प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। लेकिन 'सर्कस' का हाल रोहित शेट्टी की बाकी फिल्मों से पूरी तरह से अलग रहा और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हो गई। 2022 में ही पूजा हेगड़े तेलुगु एक्शन फिल्म 'आचार्य' में नजर आई थीं। चिरंजीवी और राम चरण दोनों ही इस फिल्म में एकसाथ नजर आए थे। काफी बज क्रिएट होने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरफ्लॉप हो गई थी। लगभग 180 करोड़ के बजट में बनकर तैयार हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का भी आंकड़ा नहीं छू पाई थी।

पिछली छह फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हुईं धड़ाम, रेट्रो भी हो गई फेल

मैं महान एक्टर नहीं : सूर्या

तमिल स्टार सूर्या इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'रेट्रो' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। अब फिल्म की चर्चाओं के बीच सूर्या ने अपने भाई और तमिल अभिनेता कार्ति को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि आखिर क्यों वो कार्ति द्वारा चुनी गई फिल्मों को नहीं कर सकते। साथ ही उन्होंने अपने और भाई कार्ति के फिल्म चयन को लेकर भी बात की। कार्तिक सुब्बाराज और संतोष नारायणन के साथ अपनी हालिया बातचीत में सूर्या ने अपने भाई कार्ति के साथ तुलना होने पर बात की। सूर्या ने कहा, मैं खुद को एक महान अभिनेता नहीं मानता। कई बार मेरा अभिनय ओवरएक्टिंग साबित होता है। मैं कभी भी कार्ति जैसा नहीं हो सकता। न ही मैं कभी भी 'मेइयाझागन' जैसी फिल्म कर सकता हूं। 'मेइयाझागन' कार्ति की एक सफल फिल्म है। सूर्या के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'रेट्रो' इन दिनों सिनेमाघरों में चल रही है। हालांकि, फिल्म वैसा प्रदर्शन नहीं कर पा रही है, जैसी उम्मीद की जा रही थी। 1 मई को रिलीज हुई फिल्म अपने शुरूआती चार दिनों में 43 करोड़ की ही कमाई कर पाई है। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित रोमांटिक एक्शन फिल्म में सूर्या के साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े प्रमुख भूमिका में नजर आई हैं। वहीं अगर कार्ति की बात करें तो वो 'रेट्रो' के साथ ही रिलीज हुई नानी की तेलुगु फिल्म 'हिट : द थर्ड केस' में अपने कैमियो को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका कैमियो उन्हें सैलेश कोलानू के नेतृत्व वाली 'हिट' फ्रेंचाइजी के चौथे भाग के लिए अगले लीड एक्टर के रूप में पेश करता है। इसके अलावा कार्ति अपनी स्पाई-एक्शन थ्रिलर फिल्म 'सरदार 2' को लेकर भी चर्चाओं में हैं। आधिकारिक घोषणा के बाद से दर्शक इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

भाई कार्ति को लेकर बोले- 'मैं उनके जैसी फिल्में नहीं कर सकता'

ये बिल्ली मछलियों को पकड़ने के लिए अपनाती है अजीबोगरीब तरीका

पानी से मछलियां और अन्य जलीय जीवों को पकड़ने वाला शख्स मछुआरा कहलाता है। वे अक्सर जाल की मदद से मछलियों को पकड़ते हैं, लेकिन फिशिंग कैट एक ऐसी बिल्ली है, जिसे मछलियां पकड़ने के लिए जाल की जरूरत नहीं होती है, यह काम वह अपने नुकीले पंजों और मुंह से ही बखूबी कर लेती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि इससे बड़ा कोई मछुआरा नहीं हो सकता है! अब इसी बिल्ली का एक वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर फिशिंग कैट का यह वीडियो @rawrszn नाम के यूजर ने पोस्ट किया है, जिसके कैप्शन में लिखा गया है कि फिशिंग कैट्स मछलियां पकड़ने में बहुत अच्छी होती हैं, इसलिए वे बड़े आर्द्रभूमि में रहना पसंद करती हैं। वे पानी के अंदर शिकार करने में भी अच्छी होती हैं, क्योंकि उनके पैर आंशिक रूप से जाल वाले होते हैं।' इस वीडियो में आप फिशिंग कैट को मछलियां पकड़ते और अपने दो बच्चों को मछलियां पकड़ना सिखाते हुए देख सकते हैं। इसके मछलियों को पकड़ने के अजीबोगरीब तरीके को देखकर आप दंग रह जाएंगें! पोस्ट किए जाने के बाद से अबतक वीडियो पर करीब 40 हजार लाइक्स मिल चुके हैं। साथ ही बड़ी संख्या में लोगों ने इस पर कमेंट्स किए हैं। यह वीडियो आपको यकीनन पसंद आएगा। घरेलू बिल्लियों से ये बिल्लियां काफी अलग होती हैं। ये उनसे लगभग दोगुना बड़ी होती हैं। इनका शरीर काफी मजबूत और लचीला होता है। साथ ही इनकी पूंछ भी छोटी होती है, जो इनके लिए बड़ी काम की होती है, क्योंकि जिसे ये बिल्लियां तैरते समय पतवार के रूप में इस्तेमाल करती हैं। इनका फर ग्रे कलर का होता है, जिस पर ब्लैक-ब्राउन कलर के धब्बे-धारियां होती हैं। फिशिंग कैट के सिर और शरीर पर धारियों और धब्बों का एक विशिष्ट पैटर्न होता है। इस बिल्ली का साइंटिफिक नाम प्रियोनैलुरस विवेरिनस होता है। रिपोर्ट के अनुसार, मछलियों को पकड़ने और उनको खाने वाली यह एकमात्र बिल्ली की प्रजाति है। इसी खूबी के चलते इसका नाम फिशिंग कैट रखा गया है।

अजब-गजब | यहां दीवार पर लटके मिले जाले तो लगेगा जुर्माना

गंदे रहने, बैठकर न खाने पर भी फाइन!

दुनिया बहुत बड़ी है और यहां आपको तरह-तरह के कल्चर मिलते हैं। जो चीज एक जगह पर अच्छी मानी जाती है, वहीं दूसरी जगह पर बुरी हो जाती है। जिसे एक जगह सभ्यता समझा जाता है, वही दूसरी जगह जाकर असभ्यता बन जाती है। हर देश-राज्य-शहर की अपनी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक नियम होते हैं, जिसके मुताबिक ही लोग चलते हैं। आप भी ये बात मानते होंगे कि साफ-सफाई से रहना एक आदत है लेकिन अगर आप गंदगी में भी रहें तो अपने देश में जुर्माना तो नहीं लगता। चलिए बताते हैं एक ऐसी जगह के बारे में जहां इस पर भी आपकी जेब हल्की हो सकती है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक चीन की एक काउंटी में ऐसी पॉलिसी बनाई गई है, जिसमें गंदगी से रहने और स्वस्थ तरीके से खाना न खाने पर जुर्माना लग जाएगा।

ये मामला चीन के दक्षिण पश्चिमी राज्य सिचुआन प्रोविंस का बताया जा रहा है। यहां की पज काउंटी में रहने वाले लोगों पर प्रशासन की ओर से कई जुर्माने निर्धारित किए गए हैं। अगर बिस्तर ठीक से नहीं लगाया गया है या फिर घर के बर्तन गंदे पड़े हैं, तो नागरिक को 10 युआन यानि 116 रुपये का जुर्माना देना पड़ेगा। इसी तरह जो लोग ठीक से बैठकर खाना नहीं खाएंगे या फिर उन्हें उकडू बैठकर खाते हुए देखा गया, उन पर 20 युआन यानि 233 रुपये का जुर्माना देना होगा। जिसका उद्देश्य लोगों के व्यवहार और रहन-सहन की आदतों को सुधारना है। इस पॉलिसी के तहत घर की दीवार पर अगर जाले लटके हुए मिले, तो 5 युआन की पेनाल्टी यानि 58 रुपये देने होंगे। अगर घर के सामने कूड़ा दिख गया तो भी गंदगी की स्थिति देखते हुए 116 रुपये लेकर इससे ज्यादा तक का जुर्माना लगेगा। गांव के वाइस डायरेक्टर का कहना है कि जो पेनाल्टी से पैसा मिलेगा, उसे गांव पर ही खर्च किया जाएगा। हालांकि उन्होंने माना है कि जैसे स्टैंडर्ड सेट किए जा रहे हैं, परिस्थितियां उससे काफी दूर हैं।

जाति गणना पर सभी से जल्द बातचीत करे सरकार : खरगे

» कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार ने देश में जातिगत जनगणना कराने का आदेश दिया। अब जातिगत जनगणना कराने के ऐलान के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जाति सर्वेक्षण के लिए तेलंगाना मॉडल अपनाने, आरक्षण के लिए 50 प्रतिशत की सीमा हटाने और निजी शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण प्रदान करने वाले अनुच्छेद 15(5) को तुरंत लागू करने का आग्रह किया है।

खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वह जातिगत जनगणना के विषय पर सभी राजनीतिक दलों से जल्द बातचीत करें और इस मामले में तेलंगाना मॉडल का उपयोग किया जाए। खरगे ने यह भी कहा कि राज्यों द्वारा पारित आरक्षण को तमिलनाडु की तर्ज पर संविधान की नौंवी अनुसूची में डाला जाए, आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा को खत्म किया जाए और निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था लागू हो। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने खरगे का पांच मई की तिथि वाला यह पत्र अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया। रमेश ने कहा, कांग्रेस कार्यसमिति की दो मई को हुई बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार रात प्रधानमंत्री को पत्र लिखा। खरगे ने कहा, जाति जनगणना जैसी किसी भी प्रक्रिया को किसी भी रूप में विभाजनकारी नहीं माना जाना चाहिए। सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्थिति और अवसर की समानता सुनिश्चित करने के लिए इसे उपरोक्त सुझाए गए समग्र तरीके से कराना अत्यंत आवश्यक है।

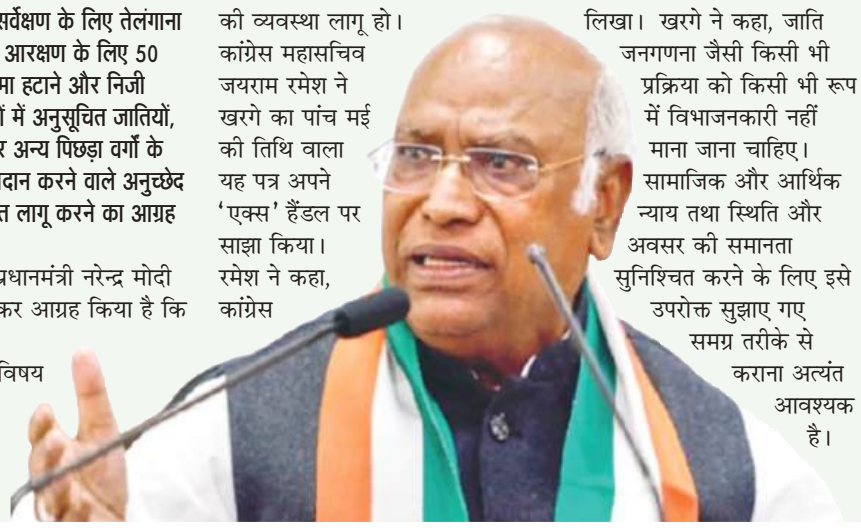

जाति गणना में तेलंगाना मॉडल का उपयोग किया जाए

गृह मंत्रालय को जनगणना में पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए तेलंगाना मॉडल का उपयोग करना चाहिए। प्रक्रिया के अंत में होने वाली रिपोर्ट में कुछ भी छिपाया नहीं जाना चाहिए ताकि प्रत्येक जाति के पूर्ण सामाजिक-आर्थिक आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हों, जिससे एक जनगणना से दूसरी जनगणना तक उनकी सामाजिक-आर्थिक प्रगति को मापा जा सके।

50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा को हटाया जाए

कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है, इसके अलावा जाति जनगणना के जो भी नतीजे आएं, यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण पर मनमाने ढंग से लगाई गई 50 प्रतिशत की अधिकतम सीमा को संविधान संशोधन के माध्यम से हटाना होगा। पत्र में खरगे ने कहा, अनुच्छेद 15(5) को भारतीय संविधान में 20 जनवरी 2006 से लागू किया गया था। इसके बाद इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी गई। लंबे विचार-विमर्श के बाद, उच्चतम न्यायालय ने 29 जनवरी 2014 को इसे बरकरार रखा। यह फैसला 2014 के लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले आया। उनके मुताबिक, यह निजी शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान करता है। उन्होंने कहा कि संसद की एक स्थायी समिति ने गत 25 मार्च को उच्च शिक्षा विभाग के लिए अनुदान की मांग पर अपनी 364वीं रिपोर्ट में भी अनुच्छेद 15 (5) को लागू करने के लिए नया कानून बनाने की सिफारिश की थी।

देश के दर्द के साथ हैं कश्मीरी : महबूबा मुफ्ती

» पहलगाम में स्थानीय लोगों से मिलीं पूर्व सीएम, गृह मंत्री अमित शाह से की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में स्थानीय लोगों से बातचीत की। इस दौरान मुफ्ती ने कहा कि 22 अप्रैल की घटना पहलगाम के लोगों के लिए एक सदमा थी। कश्मीरियों ने पर्यटकों के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी। कश्मीरियों ने दिखा दिया है कि वे इस दर्द में देश के साथ हैं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री उन आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए जिन्होंने ऐसा किया। लेकिन आज, पहलगाम में 100 लोगों सहित कई कश्मीरियों को हिरासत में लिया गया है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मैं गृह मंत्री से अपील करता हूं कि यह उचित नहीं है। चूंकि यहां पर्यटक आते हैं, इसलिए आज सभी पर्यटन स्थल बंद हैं।

उन्होंने कहा कि मैं सरकार से अपील करती हूं कि पर्यटकों को घोड़े उपलब्ध कराने वालों को वित्तीय सहायता दी जाए और होटल और टैक्सी संचालकों द्वारा लिए गए ऋ ण को इस वर्ष के लिए ब्याज मुक्त किया जाए। इससे पहले जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी तंत्र के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों की ओर से बड़े पैमाने पर अभियान शुरू करने के बीच महबूबा मुफ्ती ने कहा था कि केंद्र को सावधानी से कदम उठाना चाहिए ताकि निर्दोष लोगों को इसका खामियाजा न भुगतना पड़े। मुफ्ती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारत सरकार को हाल में पहलगाम हमले के बाद सावधानी से काम लेना चाहिए और आतंकवादियों तथा नागरिकों के बीच अंतर करना चाहिए।

लगातार 7वीं जीत की तलाश में उतरेगा मुंबई

» टॉप 4 की प्रबल दावेदार गुजरात से मुकाबला आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 56वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस का सामना गुजरात टाइटंस से होगा। यह मुकाबला आज मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुंबई के लिए इस सीजन का 12वां और गुजरात के लिए 11वां मुकाबला होगा। दोनों ही टीमें 14-14 अंकों के साथ अंक तालिका में मजबूती से बनी हुई हैं। जहां मुंबई इंडियंस का नेट रन रेट +1.274 है, वहीं गुजरात टाइटंस +0.867 के साथ आगे बढ़ रही है।

इस मुकाबले में जीत किसी भी टीम को प्लेऑफ की दौड़ में निर्णायक बढ़त दिला सकती है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 में जबरदस्त वापसी की है। टीम ने लगातार छह मुकाबले जीतकर अपने आत्मविश्वास को बुलंद किया है। मुंबई आज अपनी सातवीं जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा। वहीं, शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने भी निरंतरता दिखाई है और टीम ने अब तक केवल तीन मुकाबले गंवाए हैं। दोनों टीमें इस समय टॉप 4 की प्रबल दावेदार हैं और अगर यह मुकाबला जीतती हैं तो टॉप 2 में जगह बनाने की उम्मीदें और भी प्रबल हो जाएंगी। दोनों ही टीमों ने अपने पिछले मैच में जीत दर्ज की थी। मुंबई ने राजस्थान रॉयल्स को 100 रन और गुजरात ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रन से शिकस्त दी थी। पॉइंट्स टेबल में हार्दिक पांड्या की टीम 11 मैचों में सात जीत और 14 अंकों के साथ तीसरे और शुभमन गिल की टीम 10 मैचों में 7 जीत और 14 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है।

बारिश ने बिगाड़ा हैदराबाद का खेल, प्लेऑफ से बाहर

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला गया मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। इसके बाद दोनों टीमों को एक-एक अंक दे दिया गया। अब दिल्ली के खाते में 13 अंक हो गए हैं और वह पांचवें स्थान पर मौजूद है। वहीं, हैदराबाद सात अंकों के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गई है। सोमवार को खेले गए मुकाबले में दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट खोकर 133 रन बनाए थे। हालांकि, बारिश के कारण हैदराबाद की पारी शुरू नहीं हो सकी। इसी के साथ पैट कमिंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई जबकि अक्षर पटेल की टीम की उम्मीदें अब भी बरकरार हैं। हैदराबाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली तीसरी टीम है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स बाहर हो चुकी हैं। दोनों टीमें अंक तालिका में क्रमशः नौवें और 10वें पायदान पर मौजूद हैं। हैदराबाद ने अब तक 11 मुकाबले खेले। इनमें उन्हें सिर्फ तीन मैचों में जीत मिली। अब टीम का सामना केकेआर, आरसीबी और लखनऊ से होना है।

राजस्थान में कानून व्यवस्था ध्वस्त: गहलोत

» पूर्व सीएम बोले- राज्य में भ्रष्टाचार अपने चरम पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व सीएम व कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि पूरा राजस्थान खाली कर दिया गया है। प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है। हत्याएं हो रही हैं, आत्महत्याओं के मामले बढ़ रहे हैं, एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही हैं। ऐसे में जब जनता समस्याओं से जूझ रही है, पूरी सरकार ट्रेनिंग लेने में व्यस्त है। वहीं भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बोलते हुए अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है। अगर 10 करोड़ की रिश्वत की पेशकश की जा रही है, तो समझिए कितना बड़ा अवैध खनन हो रहा होगा।

सरकार को राजस्व का कितना नुकसान हो रहा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि डेढ़ साल सरकार को हो चुके हैं और अब जाकर प्रशिक्षण लेने की बात की जा रही है। इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार अब तक कुछ नहीं कर पाई और अब ट्रेनिंग का सहारा ले रही है। गृह मंत्रालय की मॉक ड्रिल एडवाइजरी और सरकार की गैरहाजिरी पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है और विपक्ष पहले ही कह चुका है कि वह सरकार के साथ है। ऐसे निर्णय जल्दबाजी में नहीं होते, इन्हें सोच-समझ कर लेना चाहिए। प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री को पूरी छूट होनी चाहिए।

मेरी आलोचना में सलाह भी होती है

गहलोत ने कहा कि उनकी आलोचना सिर्फ विरोध के लिए नहीं होती। मेरे अनुभव के आधार पर मैं जो कहता हूं, उसमें सलाह भी होती है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, मैं जब बात करता हूं तो जिम्मेदारी से करता हूं। मुख्यमंत्री की ओर से गहलोत की मानसिक स्थिति पर की गई टिप्पणी पर उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मेरा मानसिक संतुलन बिल्कुल ठीक है। गांधी जी ने कहा था कि वे 125 साल जीना चाहते हैं देश सेवा के लिए, मैं कहता हूं कि मैं 100 साल जिंदा रहना चाहता हूं ताकि राजस्थान के लोगों की सेवा कर सकूं।

सीबीआई डायरेक्टर की नियुक्ति को लेकर मोदी व राहुल ने की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी सीबीआई के अगले निदेशक की नियुक्ति के लिए पीएमओ पहुंचे। सीबीआई निदेशक की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा तीन सदस्यीय नियुक्ति समिति की सिफारिश पर की जाती है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली इस समिति में लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश या उनके द्वारा नामित सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश शामिल होते हैं।

2019 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, छह महीने से कम का कार्यकाल शेष रहने वाले किसी भी अधिकारी को सीबीआई निदेशक के पद के लिए विचारित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि निदेशक का कार्यकाल 2 साल से कम नहीं हो सकता है और नियुक्ति समिति की सहमति से ही उनका तबादला किया जा सकता है। केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम 2003 ने सीबीआई निदेशक का कार्यकाल 2 वर्ष निर्धारित किया है।

करनाल पहुंचे राहुल गांधी, शहीद लेफ्टिनेंट के परिवार से की मुलाकात

» पहलगाम आतंकी हमले मारे गए थे विनय नरवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करनाल (हरियाणा)। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिवार से मिलने के लिए कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज करनाल पहुंचे।

राहुल गांधी दिल्ली स्थित अपने आवास से सुबह करनाल के लिए रवाना हुए थे। उनके आगमन को देखते हुए शहीद के सेक्टर-7 स्थित आवास पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। जानकारी के अनुसार, रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा और हरियाणा यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष दिव्यांशु बुद्धिराजा पहले ही विनय नरवाल के घर पहुंच चुके हैं। राहुल गांधी शहीद की पत्नी हिमांशी नरवाल और उनके परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में लेफ्टिनेंट विनय नरवाल मारे गए थे। वे अपनी पत्नी हिमांशी के साथ हनीमून के लिए पहलगाम गए थे, जहां आतंकियों ने उनकी हत्या कर दी।

पटना पुलिस की शर्मनाक हरकत, सीएम हाउस का घेराव कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

» छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार बीपीएससी में छात्रों का विरोध प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले करीब 4 महीने से छात्र अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। बीपीएससी के छात्र आज पटना में विरोध-प्रदर्शन करने पहुंचे थे।

बीपीएससी- टीआरई-3 के अभ्यर्थी सीएम हाउस का घेराव और विरोध-प्रदर्शन करने पहुंचे थे, जिसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया। पटना पुलिस ने पहले प्रदर्शनकारियों से सीएम हाउस इलाके को खाली करने की चेतावनी दी। जब ये छात्र वहां से नहीं हटे और अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा तो पुलिस ने उनको दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

महागठबंधन के साथ मिलकर भाजपा-जदयू को उखाड़ फेकेंगे : जितेंद्र राय

बिहार में सियासी वार-पलटवार हुई तेज

सत्ता पक्ष पर विपक्ष ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोपालगंज। बिहार में इस वर्ष के अंत तक विधान सभा के चुनाव होने हैं। वहां पर सियासी बिसात अभी से बिछने लगी है। राजद व जदयू खुलकर आमने-सामने आने लगे हैं। उधर भाजपा व कांग्रेस भी तैयार हैं। सारी पार्टियों का एक-दूसरे पर वार-पलटवार भी तेज हो गया है। जहां राजद के एक-एक कार्यकर्ता इस बार महागठबंधन के साथ मिलकर बिहार की गद्दी से भाजपा-जदयू को उखाड़ फेंकने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेंगे।

यह बात पूर्व मंत्री एवं विधायक जितेन्द्र कुमार राय ने सोमवार को गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के दिघवा दुबौली में आयोजित सामाजिक न्याय परिचर्चा के दौरान कही। पूर्व मंत्री ने कहा कि आज बिहार में अपराध, भ्रष्टाचार, लूटपाट, चोरी, छिनतई और बलात्कार जैसे अपराध चरम पर हैं। सरकारी दफ्तरों में बिना घूस दिए कोई काम नहीं होता। थाना, प्रखंड, अंचल कार्यालय हर जगह संस्थागत भ्रष्टाचार व्याप्त है। पीड़ितों की सुनवाई तक नहीं हो रही है। दाखिल-खारिज, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आवास योजना सभी कामों में रिश्वतखोरी आम हो गई है।

नीतीश सरकार से बिहार की जनता पूरी तरह ऊब चुकी है : प्रेमशंकर

बैकुंठपुर के राजद विधायक प्रेमशंकर यादव ने कहा कि नीतीश सरकार से बिहार की जनता पूरी तरह ऊब चुकी है। अपराधियों की समानांतर सरकार पूरे राज्य में चल रही है और प्रशासन उसके सामने नतमस्तक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर सरकार की जनविरोधी नीतियों को उजागर करने और जनता को जागरूक करने का आह्वान किया।

जदयू विधायक ने अपनी ही सरकार को घेरा

गोपालपुर से जेडीयू विधायक गोपाल मंडल ने एक बार फिर विवादित बयान देकर सियासी माहौल गर्मा दिया है। बीते रविवार की रात नवगछिया के हडिया पट्टी में किराना व्यवसायी विनय कुमार गुप्ता की हत्या के बाद मौके पर पहुंचे विधायक ने जाति विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी, जिससे इलाके में तनाव फैल गया है। विधायक ने प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि जब मैं नवगछिया में था, तो तीन साल तक कोई अपराध नहीं हुआ। अब हालात बिगड़ चुके हैं। बिहार में प्रशासन नाम की चीज नहीं रह गई है। अपराधी पूरी तरह बेलगाम हो चुके हैं और पुलिस का कोई खौफ नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग समाज का निरीह हिस्सा है, जिन्हें प्रशासन से सुरक्षा और संरक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने पुलिस को सशक्त करने और इलाके में गश्ती बढ़ाने की मांग की। गोपाल मंडल ने नवगछिया नगर परिषद की सभापति के प्रतिनिधि डब्लू यादव पर फायरिंग करवाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब चुनाव आने वाला है, ऐसे में और हत्याएं हो सकती हैं। पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने राजेंद्र कॉलोनी की घटना का हवाला देते हुए कहा कि डब्लू यादव इलाके में आतंक का पर्याय बन चुका है और चुनाव लड़ने की नीयत से ये सब करवा रहा है।

तेज प्रताप ने पटना का डीएम भी चुना

राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की राह पर उनके बेटे भी चल रहे हैं। बिहार चुनाव में अभी छह महीने की देर है, लेकिन लालू के छोटे बेटे तेजस्वी यादव अभी से महागठबंधन सरकार की तैयारी कर रहे हैं। बड़े बेटे तेज प्रताप यादव तो इस बात को लेकर इतने आश्वस्त हैं कि उन्होंने अपनी उस सरकार में पटना के जिलाधिकारी का नाम भी फाइनल कर लिया है। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव वैशाली जिला मुख्यालय हाजीपुर आए थे। वह यूपीएससी में 141 में रैंक लाने वाले बिट्टुपुर प्रखंड निवासी प्रिंस राज के सम्मान कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए तो इसी दौरान लोगों को संबोधित भी किया। तेज प्रताप यादव ने प्रिंस राज को कहा कि अभी तो आप ट्रेनिंग में जाइएगा, तब तक हम बिहार में सरकार बनाने का काम करेंगे। फिर आपको पटना का डीएम हम बनवाएंगे।

राजद में साढ़े 5 मुख्यमंत्री, एनडीए में सिर्फ नीतीश कुमार : चौधरी

उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि 55 साल तक देश को कांग्रेस ने लूटा। इसी तरह राजद ने 20 वर्षों तक बिहार को लूटा। नीतीश कुमार के शासन में बिहार तेजी से आगे बढ़ा। मुजफ्फरपुर भी समृद्धि की राह पर बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री ने बिहार में महागठबंधन की लगातार हो रही बैठक को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि राजद में साढ़े पांच मुख्यमंत्री हैं।लालू यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, तेजप्रताप यादव, मीसा भारती और रोहिणी आचार्य। पहले वे आपस में तय कर लें कि उनका कौन नेतृत्व करेगा। एनडीए के एक मुख्यमंत्री हैं, नीतीश कुमार। चुनाव में वही एनडीए का नेतृत्व करेंगे। वहीं, तेजस्वी यादव द्वारा बिहार में जातीय सर्वे का श्रेय लेने और केंद्र पर दबाव बनाने की बात पर सम्राट ने कहा कि 2019 और 2020 में विधानपरिषद और विधानसभा दोनों में यह प्रस्ताव लाया गया कि बिहार में जातीय सर्वे होगा। उस समय एनडीए की सरकार थी। 2021 में सर्वदलीय बैठक के माध्यम से पीएम मोदी को बिहार में जातीय सर्वे का प्रस्ताव दिया गया था। उस वक्त भी एनडीए की सरकार थी।साथ ही एनडीए ने नेतृत्व भी किया था। जून 2022 में दोनों सदनों में प्रस्ताव पारित हुआ था कि बिहार में जातीय सर्वे होगा।

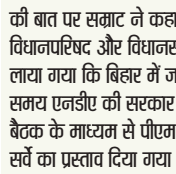

पुंछ में खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, दो लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक निजी यात्री बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए।

उन्होंने बताया कि बस घनी गांव से मेंढर जा रही थी, तभी सुबह करीब 9 बजकर 20 मिनट पर मानकोट इलाके में सांगरा के पास यह हादसा हुआ। घायलों को रेस्क्यू किया जा रहा है। इससे पहले रविवार को रामबन जिले में एक वाहन सड़क से फिसल गया था। इसमें सेना के तीन जवानों की मौत हो गई थी। वाहन सड़क से फिसलकर 700 फीट गहरी खाई में जा गिरा था। इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि सेना का ट्रक राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा था, जब बैटरी चश्मा के पास सुबह करीब 11.30 बजे यह दुर्घटना हुई।

यूपी में 10 आईपीएस अफसरों के तबादले

» आईजी सुरक्षा उपेंद्र अग्रवाल को मिली लखनऊ रेंज की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मंगलवार की सुबह 10 और आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए गए। आईजी सुरक्षा उपेंद्र अग्रवाल को लखनऊ रेंज की कमान सौंपी गई है। लखनऊ के आईजी रेंज प्रशांत कुमार द्वितीय को डीजीपी मुख्यालय में एडीजी प्रशासन बनाया गया है। इससे पहले सोमवार की आधी रात शासन ने 14 आईपीएस अफसरों के तबादले किए थे।

नीरा रावत के पास अभी तक अपर पुलिस महानिदेशक, यू0पी0 112, लखनऊ के साथ अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन का अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी थी। अब उनके पास अपर पुलिस महानिदेशक, यू0पी0 112, लखनऊ की जिम्मेदारी रहेगी। प्रशान्त कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक, लखनऊ परिक्षेत्र से अपर पुलिस महानिदेशक, (प्रशासन) मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उप्र की जिम्मेदारी मिली है।

केएस इमैन्युअल को पुलिस महानिरीक्षक, आर्थिक अपराध संगठन, उप्र, की जिम्मेदारी मिली है। अभी तक प्रतीक्षा सूची में थे। उपेंद्र कुमार अग्रवाल को पुलिस महानिरीक्षक, सुरक्षा से पुलिस महानिरीक्षक, लखनऊ परिक्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। रोहन पी कनय को पुलिस उपमहानिरीक्षक, तकनीकी सेवाए, मुख्यालय से पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीटीएस गोरखपुर भेजा गया है। राजीव नारायण मिश्र को पुलिस उपमहानिरीक्षक/ प्रभारी पुलिस महानिरीक्षक, पूर्वी जोन पीएसी, प्रयागराज से अपर पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, गौतमबुद्धनगर की जिम्मेदारी मिली है।शिवहरि मीणा को अपर पुलिस आयुक्त, पुलिस कमिश्नरेट, गौतमबुद्धनगर से पुलिस उपमहानिरीक्षक, तकनीकी सेवाएं, मुख्यालय भेजा गया है। सत्येंद्र कुमार एनसीआरबी प्रतिनियुक्ति से वापस आने के बाद प्रतीक्षारत थे।

अब इन्हें पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीटीएस, मेरठ की जिम्मेदारी दी गई है।राजेश कुमार सक्सेना को पुलिस उपमहानिरीक्षक, पीटीएस, सुल्तानपुर से पुलिस उपमहानिरीक्षक, सुरक्षा मुख्यालय भेजा गया है। विकास कुमार वैद्य को पुलिस उपमहानिरीक्षक, स्थापना, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक से पुलिस उपमहानिरीक्षक/उप निदेशक, उप्र पुलिस अकादमी, मुरादाबाद भेजा गया है।

कार-बाइक की भीषण भिड़ंत, चार दोस्तों समेत छह की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के मदनापुर थाना क्षेत्र में इको कार और बाइक की आमने-सामने टक्कर होने से छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में बाइक पर सवार चार युवकों की मौत हुई है। ये चारों दोस्त बताए गए हैं। वहीं, इको कार में सवार दो लोगों की जान गई है। हादसा सोमवार रात करीब 11 बजे हुआ। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया।

जानकारी के मुताबिक मदनापुर थाना क्षेत्र में काबिलपुर गांव के सामने पेट्रोल पंप से थोड़ा पहले सोमवार की रात करीब 11 बजे बरेली की ओर जा रही बाइक और मदनापुर की ओर से इको कार आमने-सामने टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण था कि बाइक में आग लग गई। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में इको कार में सवार बरेली के फरीदपुर के गांव करनपुर के रहने वाले सुधीर (40 वर्ष) और सोनू (18) की मौत हो गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।